दृश्य-श्रव्य साधनों का चयन
(Selection)

डॉ॰ सिंह के अनुसार, शिक्षण सहायक सामग्री वह युक्ति (device) है जिसके द्वारा शिक्षक शिक्षार्थी तक, तथ्यों (facts), कौशलों (skills), मनोवृत्तियों (attitudes), ज्ञान (knowledge), समझ (understanding), तथा अभिमूल्यन (appreciation) को पहुँचाता है । इन सामग्रियों से पूरा-पूरा लाभ उठाने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक प्रसार शिक्षक को जानना चाहिए कि किस प्रकार की सामग्री, किस शिक्षण के विशेष उद्देश्यों के अधिक अनुकूल होगी । उसे यह भी जानना जरूरी है कि चयनित सामग्री का सबसे सही उपयोग किस प्रकार किया जाए । डॉ॰ सिंह के अनुसार, "Effective use of the aid, depends upon the skillful and imaginative approach of the teacher." जब प्रसार कार्यकर्त्ता अपने संचार में सहायक सामग्री के साधन का प्रयोग करता है तो, उसे केवल बोल कर कुछ बता देने की अपेक्षा, अधिक मेहनत, उसकी तैयारी और उसके आयोजन में करनी पड़ती है । लेकिन यह अतिरिक्त मेहनत बेकार नहीं जाती है क्योंकि उसका श्रोता बहुत अधिक प्रभावशाली ढंग से कुछ सीखता है । डॉ॰ सिंह ने लिखा है, "An aid must make the viewer, to eye your ideas, try your ideas, and buy your ideas." यह याद रखने की बात है कि सहायक सामग्री में, स्वयं शिक्षा देने का काम करने की क्षमता नहीं होती है । ये शिक्षक का

Scanned with CamScanner

स्थानापन्न (no substitute for teacher) कदापि नहीं हो सकती हैं सच तो यह है कि ये केवल सिखाने वाले को सहायता प्रदान कर सकती हैं । न तो ये शिक्षक का प्रतिस्थापन करने वाली शैक्षिक युक्तियाँ होती हैं और न मात्र मनोरंजन ही के लिए होती हैं । इसमें कोई शक नहीं कि प्रत्येक शिक्षण सहायक सामग्री का अपना एक सर्वथा निजी सापेक्षिक महत्त्व होता है । परन्तु उसका सदुपयोग पूरी तरह से शिक्षक के व्यक्तित्व, उसकी कल्पना, मौलिकता और कौशल पर निर्भर करता है । कोई शिक्षक अपनी बात को जितनी अच्छी तरह से समझने योग्य बनाने के लिए इच्छुक रहता है उतना ही अच्छे ढंग से वह उनसे शिक्षण में सहायता ले सकता है । प्रसार शिक्षक को अपने शैक्षिक सचार को प्रभावशाली बनाने का प्रयास करना चाहिए और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षण सहायक सामग्री, श्रेष्ठ माध्यम सिद्ध हो सकती हैं । शिक्षण सामग्री के असरदार उपयोग के लिए, उनका चुनाव भी महत्त्व की बात है । चुनाव करते समय निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए ।

1. सीखने वाले की आयु, बुद्धिस्तर और सेक्स के अनुरूप हो (Suitable for learners.) ।

2. उचित और श्रेष्ठ हो (Should be the best and appropriate:) ।

3. दर्शकों के लिए परिचित हो (Should be known to audience,) ।

4. ऐसी हो जो आसानी से देखी जा सके (Easy to see.) ।

5. ऐसी हो जिन्हें आसानी से समझा जा सके । (Easy to understand.)

6. सीधी, सरल परन्तु असरदार हो (Should be simple, direct but effective.) ।

7. अधिक कीमती नहीं हो (Should not be too expensive.) ।

8. अभिप्रेरित करने के लिए उद्दीपक का काम कर सके (Should be suitable for stimulating i.e. thought provoking, and can aid in better thinking.) ।

9. उठाने-रखने में आसान हो (Should be portable i.e. easy transport-ability.) ।

10. हैंडल करने में आसान हो (Easy to handle.) ।

11. संख्या आकार एवं आकृति में दर्शकों और श्रोताओं के अनुसार हो (Appropriate in number.) ।

12. जो ज्ञान के मुख्य बिन्दुओं पर बल डालने वाले हो (That can put emphasis on key points.) ।

13. सुन्दर और आकर्षक हो (Should be beautiful and attractive.) ।

14. जो नवपन लिए हुए, ताजगीपूर्ण, दुरुस्त, स्वच्छ और साबुत हो यानी पुरानी टूटी-फूटी या कहीं फटी न हो । (Should be fresh, and clean and should not be old and damaged.) ।

15. ठीक से काम करने की हालत में हो (Should be in good working condition.) ।

16. समय पर प्रयोग की जा सकने वाली हो (Can be used when required.) ।

Scanned with CamScanner

17. सही बिन्दु (स्थान) पर प्रयोग की जा सकें(can be used at proper place:)।

18. मानवीय सम्बन्धों को प्रोत्साहित करने वाली हों (Should encourage healthy human relations.) ।

19. जिन्हें प्रयोग के लिए, उचित वातावरणीय हालतें हों यानी दुर्भिक्ष, अनावृष्टि, तनावपूर्ण माहौल आदि नहीं हो (Good working environmental conditions.)।

20. शिक्षक में उन्हें प्रयोग करने की पूर्ण क्षमता हो (Teacher should have operational capabilities.)।

Scanned with CamScanner